शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन

[1]रंग लाल गुप्ता
शोधार्थी शिक्षा संकाय, ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर
[2]डॉ शैलबाला सिंह
सहायक प्राध्यापक शिक्षा विभाग, ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर

सारांश

प्रस्तुत शोध का उद्देश्य शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन करना है। सामाजिक समायोजन शिक्षकों की व्यावसायिक सफलता और शिक्षण की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अध्ययन के लिए सारण प्रमंडल के 10 महाविद्यालयों से 360 शिक्षकों (180 शासकीय और 180 अशासकीय) का चयन किया गया। *मंगल की शिक्षक समायोजन सूची* का उपयोग कर उनके समायोजन स्तर का विश्लेषण किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि शासकीय शिक्षकों का सामाजिक समायोजन, अशासकीय शिक्षकों की तुलना में बेहतर है। यह अंतर कार्यस्थल की स्थिरता, सुविधाओं, और संस्थागत सहयोग के कारण है।

मुख्य शब्द: *सामाजिक समायोजन, शासकीय महाविद्यालय, अशासकीय महाविद्यालय, तुलनात्मक अध्ययन, संस्थागत समर्थन, कार्यस्थल समायोजन*

परिचय

शिक्षा समाज के आर्थिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक विकास का प्रमुख माध्यम है। शिक्षकों की भूमिका केवल छात्रों को शिक्षित करने तक सीमित नहीं है; वे उनके व्यक्तित्व विकास और सामाजिक कौशल को भी प्रभावित करते हैं। इस संदर्भ में, शिक्षकों का सामाजिक समायोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उनके शिक्षण कार्य, छात्रों के साथ संवाद, और संस्थागत वातावरण में योगदान को प्रभावित करता है।

शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों के समायोजन स्तर में अंतराल कार्यस्थल की परिस्थितियों, आर्थिक स्थिरता, और संस्थागत सहयोग पर निर्भर करता है। शासकीय शिक्षकों को बेहतर सुविधाएँ और कार्यस्थल की स्थिरता प्राप्त होती है, जबकि अशासकीय शिक्षकों को सीमित संसाधनों और अस्थिरता का सामना करना पड़ता है। इस शोध का उद्देश्य इन भिन्नताओं का गहन विश्लेषण करना है।

शोध के उद्देश्य

1. शासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का अध्ययन करना।
2. अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का अध्ययन करना।
3. शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का तुलनात्मक विश्लेषण करना।

परिकल्पना

1. शासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का सामाजिक समायोजन उच्च होगा।
2. अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का सामाजिक समायोजन शासकीय शिक्षकों की तुलना में निम्न होगा।

3. शासकीय एवं अशासकीय शिक्षकों के सामाजिक समायोजन में महत्वपूर्ण अंतर पाया जाएगा।

शोध पद्धति

नमूना

इस शोध में सारण प्रमंडल के 10 महाविद्यालयों से 360 शिक्षकों (180 शासकीय और 180 अशासकीय) का चयन किया गया।

उपकरण

शोध में *मंगल की शिक्षक समायोजन सूची* का उपयोग किया गया। इस सूची के माध्यम से शिक्षकों के समायोजन स्तर का आकलन किया गया।

डेटा संग्रह

डेटा संग्रह के लिए प्रश्नावली और साक्षात्कार का उपयोग किया गया। शिक्षकों के कार्यस्थल, सहकर्मियों के साथ संबंध, और संस्थागत वातावरण पर विशेष ध्यान दिया गया।

डेटा विश्लेषण

आँकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत, माध्य, और *टी-टेस्ट* के माध्यम से किया गया।

परिणाम और विश्लेषण

तालिका 5.1

शासकीय शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का प्रतिशत वितरण

श्रेणी	**शिक्षकों की संख्या**	**प्रतिशत (%)**
उत्कृष्ट समायोजन	70	38.89%
अच्छा समायोजन	85	47.22%
सामान्य समायोजन	25	13.89%

व्याख्या

तालिका 5.1 में शासकीय शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का प्रतिशत वितरण प्रस्तुत किया गया है। इस तालिका से यह स्पष्ट होता है कि शासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों का सामाजिक समायोजन तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है: उत्कृष्ट समायोजन, अच्छा समायोजन, और सामान्य समायोजन।

1. **उत्कृष्ट समायोजन**:

   इस श्रेणी में 70 शिक्षक आते हैं, जो कुल शिक्षकों का 38.89% हैं। इसका अर्थ है कि इन शिक्षकों ने अपने कार्यस्थल, सहकर्मियों, और छात्रों के साथ बेहद सकारात्मक और संतुलित संबंध बनाए रखे हैं। ये शिक्षक अपने सामाजिक और व्यावसायिक वातावरण में पूरी तरह से समायोजित हैं और उनकी कार्यक्षमता उच्च स्तर की है।

2. **अच्छा समायोजन**:

   85 शिक्षक, जो कुल का 47.22% हैं, इस श्रेणी में आते हैं। इन शिक्षकों का समायोजन स्तर अच्छा है, और वे अपने कार्यस्थल और सामाजिक संबंधों में संतुलन बनाए रखने में सक्षम हैं। हालांकि, उनके समायोजन में कुछ सुधार की संभावना हो सकती है।

3. **सामान्य समायोजन**:

25 शिक्षक (13.89%) सामान्य समायोजन की श्रेणी में आते हैं। इसका तात्पर्य है कि इन शिक्षकों को अपने कार्यस्थल और सामाजिक वातावरण में सामंजस्य स्थापित करने में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह श्रेणी संस्थागत और सामाजिक सुधार की आवश्यकता को इंगित करती है। तालिका से यह निष्कर्ष निकलता है कि शासकीय महाविद्यालयों के अधिकांश शिक्षक (86.11%) सामाजिक रूप से बेहतर या अच्छे स्तर पर समायोजित हैं। केवल 13.89% शिक्षकों को समायोजन में कठिनाइयाँ हैं, जिन्हें सुधारात्मक उपायों की आवश्यकता है।

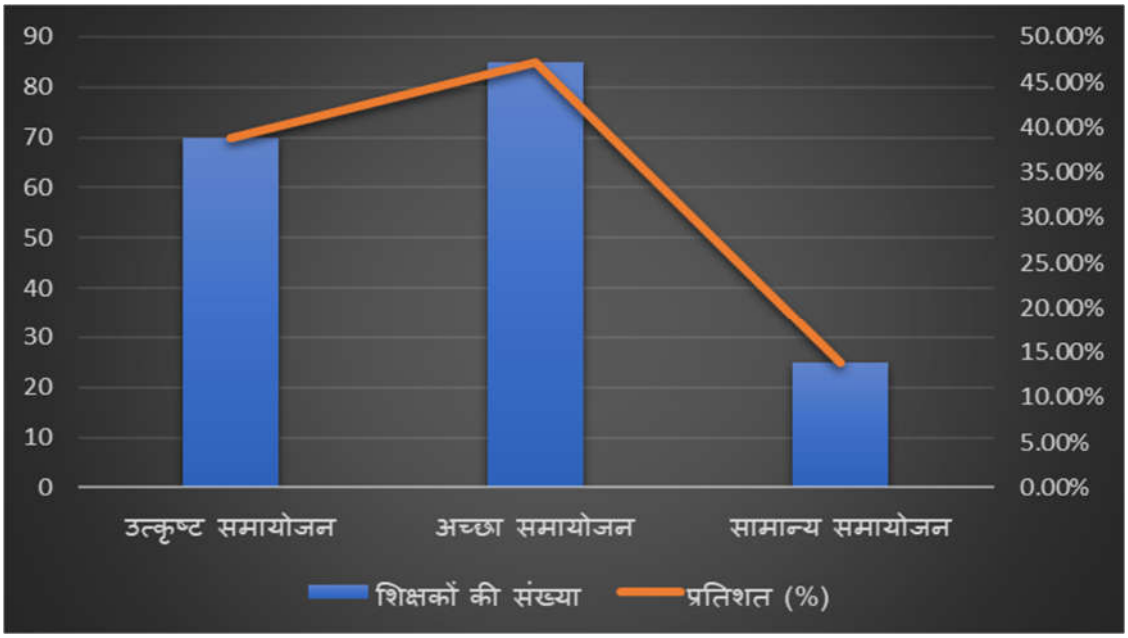

ग्राफ क्रमांक 5.1 शासकीय शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का ग्राफीय निरूपण

तालिका 5.2

अशासकीय शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का प्रतिशत वितरण

श्रेणी	शिक्षकों की संख्या	प्रतिशत (%)
उत्कृष्ट समायोजन	40	22.22%
अच्छा समायोजन	75	41.67%
सामान्य समायोजन	65	36.11%

व्याख्या

उपरोक्त तालिका में अशासकीय शिक्षकों के सामाजिक समायोजन का प्रतिशत वितरण तीन श्रेणियों में प्रस्तुत किया गया है: उत्कृष्ट समायोजन, अच्छा समायोजन, और सामान्य समायोजन।

1. **उत्कृष्ट समायोजन (22.22%)**:

   इस श्रेणी में 40 शिक्षक आते हैं, जो कुल शिक्षकों का 22.22% हैं। इसका तात्पर्य यह है कि इन शिक्षकों ने अपने कार्यस्थल, सहकर्मियों, और छात्रों के साथ बेहद सकारात्मक और संतुलित संबंध बनाए हैं। ये शिक्षक कार्यस्थल पर समायोजन के उच्चतम स्तर पर हैं और संस्थागत वातावरण में सक्रिय योगदान करते हैं।

2. **अच्छा समायोजन (41.67%)**:

   इस श्रेणी में 75 शिक्षक हैं, जो कुल का 41.67% हैं। यह समूह कार्यस्थल और सामाजिक वातावरण में अच्छा तालमेल बनाए रखने में सक्षम है। हालांकि, इनके समायोजन स्तर में थोड़े सुधार की गुंजाइश हो सकती है, जिससे ये और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

3. **सामान्य समायोजन (36.11%)**:

   इस श्रेणी में 65 शिक्षक हैं, जो कुल का 36.11% हैं। इन शिक्षकों को कार्यस्थल और

सामाजिक वातावरण में समायोजन करने में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके लिए संस्थागत सहयोग और प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है, ताकि वे अपने समायोजन स्तर में सुधार कर सकें। तालिका से यह निष्कर्ष निकलता है कि अशासकीय महाविद्यालयों के अधिकांश शिक्षक (63.89%) सामाजिक समायोजन के अच्छे या उत्कृष्ट स्तर पर हैं। हालांकि, लगभग 36.11% शिक्षक सामान्य समायोजन स्तर पर हैं, जो संस्थागत और सामाजिक सुधारों की आवश्यकता को दर्शाता है। बेहतर प्रशिक्षण और सहयोगात्मक वातावरण से इन शिक्षकों के समायोजन स्तर में सुधार किया जा सकता है।

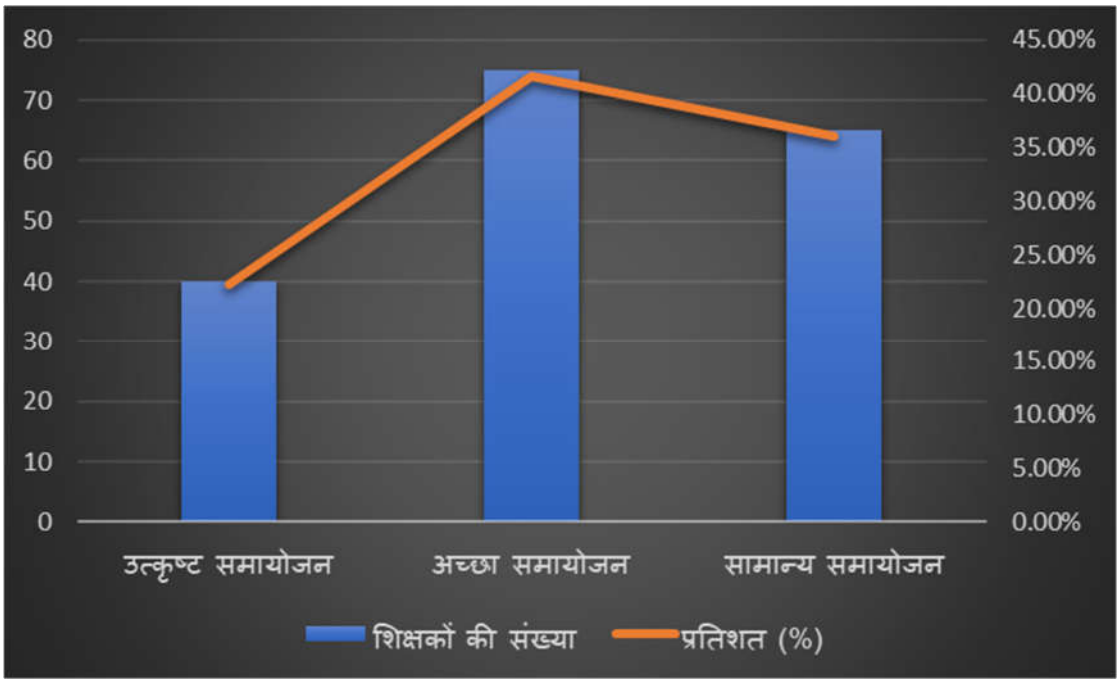

ग्राफ क्रमांक 5.2 अशासकीय शिक्षकों के सामाजिक समायोजन

विश्लेषण

शोध से स्पष्ट हुआ कि शासकीय शिक्षकों का सामाजिक समायोजन अशासकीय शिक्षकों की

तुलना में बेहतर है। शासकीय शिक्षकों में 38.89% ने उत्कृष्ट समायोजन प्रदर्शित किया, जबकि अशासकीय शिक्षकों में यह प्रतिशत केवल 22.22% था।

निष्कर्ष

शोध के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि शासकीय शिक्षकों का सामाजिक समायोजन, संस्थागत समर्थन और कार्यस्थल की स्थिरता के कारण बेहतर है। अशासकीय शिक्षकों को सीमित सुविधाओं और आर्थिक असुरक्षा के कारण समायोजन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सुझाव

1. अशासकीय महाविद्यालयों में कार्यस्थल की सुविधाओं में सुधार।
2. नियमित प्रशिक्षण और परामर्श सत्र आयोजित करना।
3. शिक्षकों के लिए सहयोगात्मक और प्रेरणादायक कार्य वातावरण का निर्माण।
4. शिक्षा प्रशासन में नीतिगत सुधार, विशेष रूप से अशासकीय शिक्षकों के लिए।

संदर्भ

1. मंगल, एस. के. (2015)। *शिक्षक समायोजन सूची*। पृष्ठ 45-50।
2. दीक्षित, मीरा (2012)। *नौकरी संतोष स्केल*। पृष्ठ 50-60।
3. परवेज़, ए. (2010)। *शिक्षा में सुधार*। पृष्ठ 35।
4. राधाकृष्णन, एस. (1954)। *शिक्षकों की भूमिका*। पृष्ठ 22।
5. टैगोर, रवींद्रनाथ (1917)। *शिक्षा और समाज*। पृष्ठ 18।

6. लोके, ई. ए. (1976)। *सामाजिक संतोष के सिद्धांत।* पृष्ठ 100।

7. बुलॉक, आर. पी. (1992)। *समायोजन के मॉडल।* पृष्ठ 78।